अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 57 | श्री विजय पुरम, शुक्रवार, 27 फ़रवरी 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

पानी की बर्बादी रोकने और उसके सही उपयोग के लिए एपीडब्ल्यूडी ने 'ज़ीरो लीकेज कैंपेन' शुरू किया

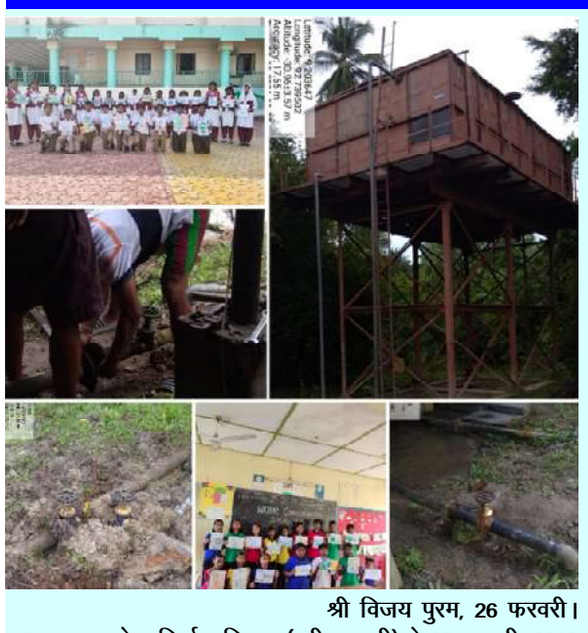

श्री विजय पुरम, 26 फरवरी।

अण्डमान लोक निर्माण विभाग (एपीडब्ल्यूडी) ने 25 फरवरी, 2026 से अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में 10 दिवसीय 'ज़ीरो लीकेज कैंपेन' (शून्य रिसाव अभियान) प्रारंभ किया है। इस अभियान का उद्देश्य जल हानि को न्यूनतम करना, जल प्रबंधन की दक्ष पद्धतियों को बढ़ावा देना तथा इस बहुमूल्य संसाधन के अपव्यय को रोकने के प्रति व्यापक जन–जागरूकता उत्पन्न करना है। इस पहल के अंतर्गत, एपीडब्ल्यूडी ने संपूर्ण जल आपूर्ति पाइपलाइन नेटवर्क के व्यापक निरीक्षण हेतु समर्पित टीमों का गठन किया है। ये टीमें रिसाव की पहचान करने तथा समय पर मरम्मत एवं सुधार सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्थित जांच कर रही हैं। अभियान का एक प्रमुख उद्देश्य जनसाधारण को जल के शून्य अपव्यय के महत्व के प्रति जागरूक करना तथा समुदाय स्तर पर ज़िम्मेदार जल उपयोग को प्रोत्साहित करना भी है।

अभियान की सफलता सुनिश्चित करने के लिए एपीडब्ल्यूडी द्वारा कई महत्वपूर्ण उपाय लागू किए जा रहे हैं। इनमें वितरण प्रणाली के अंतर्गत विनियामक वाल्वों का व्यवस्थित संचालन एवं अनुकूलन, साथ ही नियमित सफाई शामिल है, ताकि जल प्रवाह सुचारु रहे और रिसाव न्यूनतम हो। पाइप नेटवर्क के कमज़ोर बिंदुओं जैसे जोड़, ऑफ–टेक तथा विनियामक वाल्वों की पहचान एवं सुधार हेतु संवेदनशीलता आकलन किया जा रहा है। ऐसे सभी स्थानों की एक समग्र सूची तैयार की जा रही है ताकि समय–समय पर निरीक्षण एवं रखरखाव सुनिश्चित किया जा सके। घरेलू स्तर पर हस्तक्षेप के महत्व को देखते हुए, अभियान में घरेलू रिसाव एवं अपव्यय को कम करने पर विशेष बल दिया जा रहा है। नागरिकों से टपकते नलों, खराब शौचालय फ्लश प्रणाली तथा ओवरफ्लो हो रहे पानी के टैंकों की मरम्मत करने और जल के पुनः उपयोग को बढ़ावा देने का आग्रह किया गया है। विद्यालयों में भी जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को जल बजट की अवधारणा सिखाई जा रही है, जिसमें कुल जल आवश्यकता, वास्तविक उपयोग तथा अतिरिक्त आवश्यकताओं का आकलन शामिल है। सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) गतिविधियाँ विद्यालयों, आंगनवाड़ी केंद्रों एवं अन्य सामुदायिक मंचों पर आयोजित की जा रही हैं ताकि जल संरक्षण की सतत पद्धतियों को अपनाने के उद्देश्यों को बढ़ावा दिया जा सके। पानी समितियों एवं ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों (वीडब्ल्यूएससी) की बैठकों का भी आयोजन किया जा रहा है ताकि सामुदायिक सहभागिता एवं सामूहिक ज़िम्मेदारी को सुदृढ़ किया जा सके। ज़िला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठकें भी तीन ज़िलों में आयोजित की गईं। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इन समन्वित प्रयासों के माध्यम से एपीडब्ल्यूडी अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में जल संरक्षण की संस्कृति को विकसित करने तथा सतत जल प्रबंधन सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखता है। आम जनता से अपील की गई है कि जल आपूर्ति लाइन में रिसाव की सूचना संबंधित एपीडब्ल्यूडी कार्यालय या हेल्पलाइन 231179 पर दें।

अंतर्राष्ट्रीय क्रूज़ जहाज़ 'क्रिस्टल सिम्फनी' का श्री विजय पुरम आगमन

पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलने तथा अंतर्राष्ट्रीय क्रूज़ संपर्क और सुदृढ़ होने की उम्मीद

श्री विजय पुरम, 26 फरवरी।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के पर्यटन सत्र में नई ऊर्जा का संचार करते हुए अंतर्राष्ट्रीय क्रूज़ जहाज़ 'क्रिस्टल सिम्फनी' आज श्रीलंका से श्री विजय पुरम पहुंचा और हैडो घाट पर लंगर डाला। जहाज़ के आगमन से तटीय क्षेत्र में विशेष उत्साह और आकर्षण का माहौल रहा।

पर्यटकों के उतरते ही पर्यटन विभाग के अधिकारियों एवं स्थानीय एजेंटों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। स्वागत उपरांत पर्यटक श्री विजय पुरम के विभिन्न प्रमुख पर्यटन स्थलों एवं दर्शनीय स्थानों के भ्रमण के लिए रवाना हुए। उनके दौरे का प्रमुख आकर्षण राष्ट्रीय स्मारक सेल्यूलर जेल रहा, जहां उन्हें भारत के स्वतंत्रता संग्राम में इसकी ऐतिहासिक भूमिका और विरासत के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। हमारे संवाददाता की रिपोर्ट के अनुसार क्रूज़ जहाज़ का अंतिम पड़ाव श्रीलंका था। दिनभर के प्रवास और भ्रमण कार्यक्रम के उपरांत जहाज़ सायंकाल अपने अगले गंतव्य फुकेट के लिए रवाना हो गया। 'क्रिस्टल सिम्फनी' के आगमन से अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में पर्यटन गतिविधियों को और गति मिलने तथा अंतर्राष्ट्रीय क्रूज़ संपर्क और सुदृढ़ होने की उम्मीद है।

स्वास्थ्य सचिव द्वारा एचआईवी एवं एड्स जागरूकता हेतु आईईसी वैन अभियान का शुभारंभ

श्री विजय पुरम, 26 फरवरी।

अण्डमान तथा निकोबार एड्स नियंत्रण सोसाइटी (एएनएसीएस) ने 25 फरवरी, 2026 को एचआईवी एवं एड्स जागरूकता से संबंधित प्रमुख संदेशों से युक्त बैकलिट ग्लो साइनबोर्ड से सुसज्जित एक सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) वैन अभियान का शुभारंभ किया। आईईसी वैन को स्वास्थ्य सचिव श्रीमती वंदना राव (आईएएस) द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह वैन प्रकाशित डिस्प्ले बोर्ड और सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली से सुसज्जित है तथा इसका उद्देश्य दक्षिण अण्डमान द्वीप के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सीधे लोगों तक सटीक एवं समयबद्ध जानकारी पहुंचाना है।

यह कार्यक्रम एएनएसीएस के परियोजना निदेशक डॉ. सुब्रत साहा के नेतृत्व में आयोजित किया गया। उन्होंने बल देते हुए कहा कि सामूहिक प्रयास और सक्रिय सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से वर्ष 2030 तक एचआईवी एवं एड्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरे के रूप में समाप्त करने के लक्ष्य के निकट पहुंचा जा सकता है। लोगों तक उनके निवास और कार्यस्थल पर पहुंचकर यह अभियान ज़िम्मेदार व्यवहार को प्रोत्साहित करने, शीघ्र जांच हेतु

प्रेरित करने तथा एचआईवी से जीवनयापन कर रहे व्यक्तियों (पीएलएचआईवी) के प्रति सहायक और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने का प्रयास करता है। यह छह दिवसीय अभियान 25

शेष पृष्ठ 4 पर

पवन हंस हेलीकॉप्टर की आपात लैंडिंग में साहसिक बचाव अभियान

मायाबंदर, 25 फरवरी।

गत 24 फरवरी, 2026 को तोता टेकरी द्वीप, मायाबंदर, उत्तर व मध्य अण्डमान के समीप पवन हंस हेलीकॉप्टर की आपात लैंडिंग की घटना के दौरान पीएमएफ, आईआरबीएन तथा वन विभाग के कर्मियों ने साहस, कर्तव्यनिष्ठा और सूझबूझ का अद्वितीय परिचय दिया। सुबह लगभग 9.30 बजे घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में गश्त कर रही वन विभाग की एक डिंगी, जिसमें आईआरबीएन एवं वन विभाग के कर्मी सवार थे, तत्काल घटनास्थल की ओर रवाना हुई। बचाव दल में आईआरबीएन के हेड कांस्टेबल के. कार्तिक कुमार (कंपाउंडर) के साथ वन विभाग के श्री सॉ साकारी, श्री सॉ मनशाय एवं श्री सॉ एस.सी. थॉमस शामिल थे। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अदम्य साहस का परिचय देते हुए सभी यात्रियों को समुद्र से सुरक्षित बाहर निकाला।

बचाव अभियान के दौरान एक अचेत वृद्ध महिला, जिसने काफी मात्रा में समुद्री जल निगल लिया था, को भी सुरक्षित निकाला गया और मायाबंदर जेट्टी तक पहुंचाया गया। हेड कांस्टेबल के. कार्तिक कुमार ने मौके पर ही प्राथमिक उपचार प्रदान कर घायलों की स्थिति को स्थिर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इसी दौरान पीएमएफ मायाबंदर की टीम

भी सक्रिय हो गई। एचसी/1655 रतन झा एवं एचसी/1253 एम. गोपी ने एफआरपी नम्बर–7 के साथ त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों पायलटों को सुरक्षित बाहर निकाला। पीएमएफ कर्मियों ने यह सुनिश्चित करने के लिए कि हेलीकॉप्टर के भीतर कोई फंसा न रह गया हो, पानी के भीतर गोता लगाकर जांच भी की। वन विभाग, पीएमएफ एवं आईआरबीएन कर्मियों के बीच उत्कृष्ट समन्वय, निर्भीक कार्रवाई और समर्पण सेवा की उच्चतम परंपराओं को दर्शाता है। उनका त्वरित जीवन–रक्षक प्रयास कर्तव्य से बढ़कर सेवा का प्रेरणादायक उदाहरण है।

महिला हेल्पलाइन नंबर–181 और चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर–1098 पर सहायता के लिए कॉल करें

श्री विजय पुरम, 26 फरवरी।

भारत सरकार के महिला हेल्पलाइन–181 और चाइल्ड हेल्पलाइन–1098 समर्पित सहायता सेवाएं हैं, जिन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी, हिंसा या शोषण का सामना कर रही महिलाओं और बच्चों को त्वरित सहायता, संरक्षण और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया है। इन हेल्पलाइन का मुख्य उद्देश्य उनकी सुरक्षा, कल्याण और अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करना है। समाज कल्याण निदेशालय के अंतर्गत वीआईपी रोड स्थित महिला एवं बाल विकास कंट्रोल रूम में समर्पित हेल्पलाइन (महिला हेल्पलाइन नंबर–181 और चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर–1098) 24ग7 आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र के रूप में कार्यरत है, जो संकट या हिंसा का सामना कर रही महिलाओं और बच्चों को सहायता प्रदान करता है। महिला हेल्पलाइन नंबर–181 और चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर–1098 खतरे में फंसी महिलाओं और बच्चों के कॉल प्राप्त करती है, जिनमें हिंसा का शिकार या तत्काल सहायता की आवश्यकता वाले मामले शामिल हैं। यह हेल्पलाइन संबंधित सेवाओं जैसे पुलिस, वन स्टॉप सेंटर, अस्पताल, ज़िला विधि सेवा प्राधिकरण तथा अन्य सहायता सेवाओं से जोड़ती है। इसके अतिरिक्त, परामर्श प्रदान किया जाता है तथा महिलाओं के कल्याण और बाल संरक्षण से संबंधित उपलब्ध सरकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी भी दी जाती है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कोई भी महिला या बच्चा संकट की स्थिति में इन हेल्पलाइन नंबरों (महिला हेल्पलाइन–181 और चाइल्ड हेल्पलाइन–1098) पर कॉल कर सेवाओं का लाभ उठा सकता/सकती है। महिलाएं अपनी शिकायतों के निवारण तथा पारिवारिक एवं अन्य मामलों के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए ज़िला वन स्टॉप सेंटर से भी संपर्क कर सकती हैं, जिससे शहरी, ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों में महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

अण्डमान निकोबार कमान ने मायाबंदर में पवन हंस हेलीकॉप्टर की क्रैश–लैंडिंग के बाद बचाव अभियान चलाया

श्री विजय पुरम, 26 फरवरी।

गत 24 फरवरी, 2026 को लगभग सुबह 9.40 बजे भारतीय तटरक्षक बल के समुद्री बचाव समन्वय केंद्र, श्री विजय पुरम, जो अण्डमान निकोबार कमान (एएनसी) के अधीन है, को उत्तर अण्डमान के मायाबंदर हेलीपैड से कुछ दूरी पहले एक पवन हंस हेलीकॉप्टर की क्रैश–लैंडिंग की सूचना प्राप्त हुई। संकट संकेत प्राप्त होते ही तत्काल कार्रवाई प्रारंभ की गई और उपलब्ध संसाधनों को बचाव कार्य के लिए सक्रिय किया गया।

बचाव अभियान भारतीय तटरक्षक बल इकाइयों द्वारा पुलिस समुद्री बल, वन विभाग के अधिकारियों तथा स्थानीय मछुआरों के समन्वय से, एएनसी के सहयोग से संचालित किया गया। हेलीकॉप्टर मायाबंदर हेलीपैड पर उतरने से ठीक पहले दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। विमान में दो पायलटों सहित कुल सात व्यक्ति सवार थे, जिनमें पांच यात्री शामिल थे। यात्रियों में तीन महिलाएं और एक पांच माह का शिशु भी था।

त्वरित अंतर–विभागीय समन्वय और स्थल पर किए गए समर्पित प्रयासों के माध्यम से सभी सातों व्यक्तियों को सुरक्षित रूप से बाहर

शेष पृष्ठ 4 पर

चिकित्सा अधिकारियों को राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत किशोर मैत्रीपूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं पर प्रशिक्षित किया गया

श्री विजय पुरम, 26 फरवरी।

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) के तहत किशोर मैत्रीपूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं (एएफएचएस) पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 23 फरवरी, 2026 से 25 फरवरी, 2026 तक उद्योग निदेशालय के सम्मेलन कक्ष में चिकित्सा अधिकारियों के लिए किया गया था। प्रशिक्षण का उद्देश्य किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के दायरे को यौन और प्रजनन स्वास्थ्य से परे पोषण, चोटों और हिंसा (लैंगिक हिंसा सहित), गैर–संचारी रोगों, मानसिक स्वास्थ्य और मादक द्रव्यों के दुरुपयोग को शामिल करने के लिए बढ़ाना था। कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवा निदेशक डॉ. एच. एम. सिद्धाराजू और उप निदेशक

शेष पृष्ठ 4 पर

आंगनवाड़ी केंद्रों में 'मेन स्ट्रीमिंग' गतिविधियों के माध्यम से पिता की भागीदारी को बढ़ावा

श्री विजय पुरम, 26 फरवरी।

अण्डमान निकोबार प्रशासन का समाज कल्याण निदेशालय द्वारा सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 के अंतर्गत विभिन्न आईसीडीएस परियोजनाओं– शहरी, फरारगंज, रंगत, डिगलीपुर एवं निकोबार में 'मेन स्ट्रीमिंग' गतिविधियों की एक श्रृंखला का सफल आयोजन किया गया। इन गतिविधियों का उद्देश्य प्रारंभिक बाल देखभाल एवं विकास में लैंगिक रूढ़ियों को तोड़ना तथा पिता की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना था।

कुल 26 गतिविधियां विभिन्न आंगनवाड़ी केंद्रों (एडब्ल्यूसी) में आयोजित की गईं, जिनमें 2065 पिताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य बाल विकास, पोषण, स्वास्थ्य एवं साझा अभिभावकत्व की ज़िम्मेदारियों में पिताओं की सहभागिता को सुदृढ़ करना था।

आयोजित प्रमुख गतिविधियां इस प्रकार हैं:–

▶ बडी फादर पहल– साझा अभिभावकत्व को बढ़ावा देने तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण में पिताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की पहल।

▶ पापा की रसोई– पिताओं द्वारा स्थानीय पौष्टिक व्यंजन तैयार कर आयु–उपयुक्त पूरक आहार संबंधी जानकारी प्राप्त करना।

▶ डीआईवाई प्रतियोगिताएं– स्थानीय एवं पुनर्चक्रित सामग्री से शैक्षणिक खिलौने बनाकर प्रारंभिक बाल उत्तेजना को बढ़ावा देना तथा पिता–बच्चे के संबंध को सशक्त करना।

▶ न्यूट्रिशन रिले रेस– टीम आधारित दौड़, खेलकूद एवं समूह गतिविधियां, जिनके माध्यम से पिता–बच्चे की सहभागिता को प्रोत्साहित करते हुए पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण संदेशों को सुदृढ़ किया गया।

▶ अन्नप्रसन समारोह– छह माह की आयु पर पूरक आहार की शुरुआत पिताओं द्वारा प्रथम अर्ध–ठोस आहार खिलाकर की गई।

▶ गोदभराई में पिताओं की सहभागिता– पारंपरिक समारोह में पिताओं की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए गर्भावस्था के दौरान मातृ पोषण एवं देखभाल संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

▶ पहले 1000 दिन जागरूकता सत्र– मातृ पोषण, अनन्य स्तनपान, पूरक आहार, टीकाकरण, वृद्धि निगरानी तथा एनीमिया एवं कुपोषण की रोकथाम पर संवेदनशीलता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार समाज कल्याण निदेशालय ने द्वीपसमूह के प्रत्येक पिता एवं पुरुष परिजन से इस प्रेरणादायी अभियान से जुड़कर अपने बच्चों के विकास में नायक की भूमिका निभाने का आह्वान किया है। इस प्रतिबद्धता को सम्मानित करने हेतु राज्य स्तर पर समर्पित पिताओं को औपचारिक रूप से सम्मानित किया जाएगा। इसके लिए विभाग ने पिताओं से निकटतम आंगनवाड़ी केंद्र (मुख्य सेविका) अथवा सीडीपीओ कार्यालय से संपर्क कर अपने विचार साझा करने एवं आगामी गतिविधियों में भाग लेने का आग्रह किया है।

श्री विजय पुरम हवाई अड्डे पर अण्डमान निकोबार कमान द्वारा एंटी–हाइजैक अभ्यास किया गया

श्री विजय पुरम, 26 फरवरी।

अण्डमान निकोबार कमान (एएनसी) ने 26 फरवरी, 2026 को श्री विजय पुरम हवाई अड्डे पर एक व्यापक एंटी–हाइजैक अभ्यास का आयोजन किया, जिसमें एक यथार्थपरक विमान अपहरण परिदृश्य का अनुकरण कर स्थापित प्रतिक्रिया तंत्रों की जांच एवं सत्यापन किया गया। यह अभ्यास एएनसी के तत्वावधान में आईएनएस उत्कोश द्वारा समन्वित किया गया। इसका उद्देश्य हवाई अड्डे की आपातकालीन योजना की प्रभावशीलता का आकलन करना, यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा वास्तविक अपहरण की स्थिति में विभिन्न एजेंसियों के बीच निर्बाध समन्वय सुनिश्चित करना था। इस अभ्यास में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण तथा राज्य सरकार की एजेंसियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और उभरती आपात परिस्थितियों से निपटने हेतु उच्च स्तर की परिचालन तैयारी का प्रदर्शन किया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार अभ्यास के उपरांत विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रदर्शन का विश्लेषण किया गया, प्रमुख सीखों को रेखांकित किया गया तथा मानक संचालन प्रक्रियाओं का पुनः सत्यापन किया गया, जिससे सतर्कता और तत्परता के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता और सुदृढ़ हुई।

पर्यटन विभाग मायाबंदर और लिटिल अण्डमान में एस्ट्रो गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेगा

श्री विजय पुरम, 26 फरवरी।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के पर्यटन विभाग द्वारा एस्ट्रो गाइड हेतु कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 5 से 7 मार्च, 2026 तक उत्तर व मध्य अण्डमान के मायाबंदर में तथा 10 से 12 मार्च, 2026 तक लिटिल अण्डमान में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य एस्ट्रो–टूरिज़्म के क्षेत्र में स्थानीय क्षमता का विकास करना है। प्रशिक्षण के अंतर्गत प्रतिभागियों को रात्रिकालीन आकाश अवलोकन, खगोल विज्ञान की मूलभूत जानकारी, दूरबीन संचालन, व्याख्या तकनीक तथा ज़िम्मेदार एस्ट्रो–टूरिज़्म व्यवहार से संबंधित आवश्यक ज्ञान एवं व्यावहारिक कौशल प्रदान किए जाएंगे। यह पहल द्वीपों में पर्यटन के विविधीकरण और सतत, अनुभव–आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में विभाग के प्रयासों का हिस्सा है। स्थानीय युवा, पर्यटन से जुड़े हितधारक एवं प्रकृति प्रेमी इस अवसर का लाभ उठाकर अपने कौशल को उन्नत कर सकते हैं तथा एस्ट्रो–टूरिज़्म के क्षेत्र में उभरते आजीविका अवसरों का अन्वेषण कर सकते हैं।

पात्रता मानदंड:

आयु: 40 वर्ष से कम

शैक्षणिक योग्यता: किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय से न्यूनतम 12वीं उत्तीर्ण।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इच्छुक अभ्यर्थी पर्यटन विभाग की वेबसाइट **tourism.andamannicobar.gov.in** से आवेदन पत्र डाउनलोड कर सकते हैं या दिए गए गूगल फॉर्म लिंक **https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSeBQ_lHhnCGhcKLT4bFDO3VWO9bL0Cu0B5HRND7c4qXlQ8M2w/viewform?usp=publish-editor** के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र 2 मार्च को शाम 3 बजे तक पर्यटन निदेशालय के योजना अनुभाग में जमा करना अनिवार्य है।

पंचायतों में ओएसआर सृजन हेतु प्रशिक्षण

हटबे, 26 फरवरी।

लिटिल अण्डमान में पंचायत समिति हॉल में 'ग्राम पंचायतों में स्वयं के स्रोत राजस्व (ओएसआर) सृजन हेतु व्यवहार्य वित्तीय मॉडल की तैयारी' विषय पर खंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम प्रधानों एवं पंचायत सचिवों के लिए आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर पर वित्तीय योजना को सुदृढ़ बनाना एवं राजस्व सृजन क्षमता को बढ़ाना है।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार अपने संबोधन में श्री बेल्थेज़र, खंड विकास अधिकारी, सामुदायिक विकास खंड, लिटिल अण्डमान ने ग्राम पंचायतों की वित्तीय आत्मनिर्भरता के महत्व पर बल दिया तथा स्वयं के स्रोत राजस्व में सुधार हेतु व्यवस्थित योजना की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। स्वयं के स्रोत राजस्व की अवधारणा, जिसमें कर एवं गैर–कर घटक शामिल हैं, पर एक तकनीकी सत्र श्रीमती सुप्रिया

मंडल, बीपीएम, आरजीएसए द्वारा आयोजित किया गया। 'ओएसआर सृजन के लिए व्यवहार विज्ञान सिद्धांतों का उपयोग' विषय पर सत्र श्री रितेश कुमार घरामी, पंचायत सचिव एवं श्रीमती सुप्रिया मंडल द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया गया।

बेटी जन्मोत्सव के माध्यम से बालिका जन्म का उत्सव, लैंगिक समानता का संदेश

रंगत, 26 फरवरी।

बालिका जन्म का सम्मान करने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना, रंगत, मध्य अण्डमान द्वारा 23 एवं 24 फरवरी को 'बेटी जन्मोत्सव' का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम क्रमशः दशरथपुर के कम्युनिटी हॉल एवं पर्णशाला के पंचायत हॉल में आयोजित हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य बालिका के जन्म का उत्सव मनाना तथा समाज में लैंगिक समानता की सकारात्मक सोच को सुदृढ़ करना था। यह आयोजन केंद्र सरकार की प्रमुख योजना 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के अंतर्गत किया गया, जिसका उद्देश्य क्षेत्र के नवदंपतियों के लिए एक उत्साहपूर्ण एवं सहयोगात्मक वातावरण तैयार करना है। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नवजात बालिकाओं को 'न्यू बॉर्न बेबी किट' का सांकेतिक वितरण रहा। इन किटों में शिशुओं की आवश्यक देखभाल एवं स्वच्छता से संबंधित सामग्री उपलब्ध कराई गई, जो बालिका के स्वास्थ्य एवं उज्ज्वल भविष्य के प्रति समाज की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार आईसीडीएस परियोजना, रंगत के अंतर्गत आयोजित 'बेटी

जन्मोत्सव' कार्यक्रम बीबीबीपी योजना का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बना हुआ है, जो यह सुनिश्चित करता है कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का संदेश जन्म के क्षण से ही प्रारंभ हो।

'अनिम्स' की आधिकारिक वेबसाइट नए सरकारी डोमेन पर

श्री विजय पुरम, 26 फरवरी।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह चिकित्सा संस्थान (अनिम्स) ने अपने आधिकारिक वेबसाइट को नए सरकारी डोमेन पर स्थानांतरित कर दिया है, जो डिजिटल पहुंच एवं संचार को सुव्यवस्थित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। संस्थान की वेबसाइट को पूर्व डोमेन **http://andssw1.and.nic.in/aniims/** से स्थानांतरित कर नए आधिकारिक पते **https://aniims.andamannicobar.gov.in.** पर उपलब्ध कराया गया है। अब सभी आधिकारिक सूचनाएँ, शैक्षणिक अद्यतन, भर्ती सूचनाएँ, निविदा घोषणाएँ, परीक्षा विवरण, अस्पताल सेवाओं से संबंधित जानकारी एवं अन्य संस्थागत संचार केवल **https://aniims.andamannicobar.gov.in.** पर ही प्रकाशित किए जाएंगे।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार नए डोमेन पर स्थानांतरण भारत सरकार की सुरक्षित एवं एकीकृत सरकारी प्लेटफॉर्म के अंतर्गत आधिकारिक वेबसाइटों के मानकीकरण की पहल के अनुरूप है। अद्यतन वेबसाइट में उन्नत सुरक्षा सुविधाएँ, बेहतर उपयोगकर्ता नेविगेशन तथा विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों, स्वास्थ्य पेशेवरों एवं आम जनता के लिए जानकारी तक बेहतर पहुंच उपलब्ध है। यह परिवर्तन अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में पारदर्शिता, डिजिटल आधुनिकीकरण एवं सूचना के प्रभावी प्रसार के प्रति अनिम्स की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

एनसीसी कैडेटों हेतु आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण शुरू

श्री विजय पुरम, 26 फरवरी।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के आपदा प्रबंधन निदेशालय द्वारा एनसीसी, नौसेना एवं थल सेना इकाइयों के समन्वय से अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के 180 एनसीसी नौसेना एवं थल सेना कैडेटों के लिए दो दिवसीय बुनियादी आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है। यह कार्यक्रम चार बैचों में आयोजित किया जा रहा है, जिसकी शुरुआत आज आपदा प्रबंधन भवन के प्रशिक्षण कक्ष में हुई।

इस पहल का उद्देश्य एनसीसी कैडेटों को जीवन रक्षक आवश्यक कौशलों से सुसज्जित करना तथा द्वीपसमूह में आपदाओं के दौरान प्रथम प्रतिक्रिया देने वाले (फर्स्ट रिस्पॉन्डर) के रूप में उनकी भूमिका को सुदृढ़ करना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में आपदा प्रबंधन की मूलभूत जानकारी, खोज एवं बचाव (एसएआर), चिकित्सा प्रथम प्रतिक्रिया (एमएफआर) तथा अग्नि सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया है। सत्रों में सैद्धांतिक जानकारी के साथ–साथ आपदा प्रबंधन विभाग, एनडीआरएफ एवं अग्निशमन सेवा के विशेषज्ञों द्वारा व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए निदेशक (आपदा प्रबंधन) श्रीमती प्रियंका कुमारी ने कहा कि यह कार्यक्रम प्रशिक्षित एनसीसी कैडेटों का एक सशक्त समूह तैयार

करेगा, जो समुदाय स्तर पर आपदा तैयारी एवं प्रतिक्रिया को मजबूत करेगा। एनसीसी नौसेना इकाई, एएनआई के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कमांडर रियाज़ फ़ारूक़ ने कैडेटों को प्रशिक्षण में सक्रिय भागीदारी करने तथा अनुशासन एवं सेवा के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। राज्य सलाहकार (डीडीएम) ने कार्यक्रम के व्यावहारिक पक्षों की जानकारी देते हुए आपातकालीन स्थितियों में पेशेवर प्रतिक्रिया के महत्व पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र का समापन आपदा प्रबंधन विभाग के सांख्यिकी अधिकारी श्री सुदेव कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

स्वावलम्बी ग्रामों के निर्माण पर प्रशिक्षण संचालित

डिगलीपुर, 26 फरवरी।

स्वावलंबी ग्रामों के निर्माण पर खंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आज जीपीओए हॉल, प्रशासनिक भवन, डिगलीपुर, उत्तर अण्डमान में आयोजित किया गया, जिसमें थीम 6 के अंतर्गत रणनीतिक विकास एवं नई उभरती पहलों पर ध्यान केंद्रित किया गया। यह कार्यक्रम प्रधानों, कनिष्ठ अभियंताओं (पीआरआई), सहायक अभियंताओं (पीआरआई) एवं पंचायत सचिवों को लक्षित करते हुए आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य कौशल उन्नयन एवं स्थानीय शासन को सुदृढ़ बनाकर समग्र ग्राम विकास को बढ़ावा देना है। प्रशिक्षण में आवश्यक सुविधाएँ, सामुदायिक अवसंरचना, संपर्कता एवं डिजिटलीकरण, साथ ही लचीली अवसंरचना एवं आजीविका समर्थन जैसे प्रमुख विषय शामिल थे। प्रतिभागियों को हरित एवं सतत ऊर्जा, अपशिष्ट प्रबंधन तथा डिजिटलीकरण सहित ग्रामीण विकास के आधुनिक एवं सतत दृष्टिकोणों की जानकारी दी गई। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम में स्वच्छ एवं हरित ग्रामों की प्राप्ति हेतु सामुदायिक सहभागिता, योजना निर्माण एवं जागरूकता के महत्व पर बल दिया गया। गोबरधन कार्यक्रम, जिसके अंतर्गत जैविक अपशिष्ट को बायोगैस एवं बायो–स्लरी में परिवर्तित किया जाता है, तथा जैविक खेती एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने जैसी पहलों को सतत विकास की दिशा में महत्वपूर्ण रणनीतियों के रूप में रेखांकित किया गया।

चिकित्सा अधिकारियों को राष्ट्रीय किशोर ——पृष्ठ 1 का शेष

(परिवार कल्याण) डॉ. शाइनी वर्गीज ने भी अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। डॉ. एच. एम. सिद्धाराजू ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए संबंधित स्वास्थ्य संस्थानों में नियमित किशोर अनुकूल स्वास्थ्य क्लिनिक आयोजित करने के महत्व पर ज़ोर दिया और चिकित्सा अधिकारियों को किशोरों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के लिए स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से संपर्क करने के लिए प्रेरित करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार उप निदेशक (परिवार कल्याण) डॉ. शाइनी वर्गीज ने सभा को संबोधित किया और प्रशिक्षण उद्देश्यों और आरकेएसके कार्यक्रम का अवलोकन प्रदान किया। प्रशिक्षण के लिए संसाधन व्यक्तियों में जीबी पंत अस्पताल के डॉ. अमृता बर्मा, सहायक प्रोफेसर, पीएसएम, अनिम्स, डॉ. मितुल साहा, सीनियर रेजिडेंट, पीएसएम, अनिम्स, डॉ. गायत्री, सीनियर रेजिडेंट, पीएसएम, एएनआईआईएमएस; डॉ. जी. पी. राजू, सहायक प्रोफेसर, प्रसूति एवं स्त्री रोग और श्रीमती हेमलता, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, शामिल थे। विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों के कुल 25 चिकित्सा अधिकारियों ने प्रशिक्षण में भाग लिया और सफलतापूर्वक पूरा किया।

अण्डमान निकोबार कमान ने मायाबंदर में ——पृष्ठ 1 का शेष

निकाल लिया गया। विमानन ईंधन में आग लगने के संभावित जोखिम और स्थल की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद, बचाव दल ने पूर्ण पेशेवर दक्षता और सावधानी के साथ कार्य किया। घायल चालक दल एवं यात्रियों को सावधानीपूर्वक बाहर निकालकर प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया और तत्पश्चात उन्हें आगे के उपचार हेतु मायाबंदर के सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इसके उपरांत, एक गोताखोर दल ने दुर्घटनास्थल का व्यापक निरीक्षण किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वहां कोई अन्य व्यक्ति मौजूद न हो तथा सभी कार्मिकों का पूर्ण रूप से पता लगाया जा सके। यह त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई समुद्री क्षेत्र में आपात स्थितियों से निपटने तथा मानव जीवन की सुरक्षा के प्रति एएनसी की परिचालन तत्परता, प्रभावी समन्वय और अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

स्वास्थ्य सचिव द्वारा एचआईवी एवं एड्स ——पृष्ठ 1 का शेष

फरवरी, 2026 से प्रारंभ होकर 2 मार्च, 2026 तक चलेगा। अभियान प्रतिदिन सायं 4 बजे से रात्रि 9 बजे तक निर्धारित मार्गों पर संचालित किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य एचआईवी संक्रमण के तरीकों एवं उसकी रोकथाम, एचआईवी जांच के महत्व तथा पीएलएचआईवी के लिए उपलब्ध उपचार एवं देखभाल सेवाओं के संबंध में जागरूकता फैलाना है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस अवसर पर एएनएसीएस की वार्षिक समाचार–पत्रिका 2024–25 का भी औपचारिक विमोचन किया गया। इस समाचार–पत्रिका में वर्ष भर संचालित कार्यक्रमों, जागरूकता पहलों तथा एचआईवी एवं एड्स की रोकथाम, नियंत्रण, देखभाल और उपचार से संबंधित एएनएसीएस की प्रमुख उपलब्धियों को दर्शाया गया है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के चिकित्सक, एएनएसीएस के अधिकारी तथा मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आरंभ में एएनएसीएस की उप निदेशक (एमएस एवं आईईसी) डॉ. जहांआरा यास्मीन के स्वागत भाषण के साथ हुआ।

कैडलगंज में बकरी के दूध और मूल्य संवर्धित उत्पादों पर प्रशिक्षण आयोजित

श्री विजय पुरम, 26 फ़रवरी

पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग ने 21 फरवरी को दिशा फाउंडेशन, कैडलगंज, फरारगंज में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया, जिसका उद्देश्य बकरी के दूध और उसके मूल्य संवर्धित उत्पादों की बढ़ती बाज़ार मांग के बारे में जागरूकता पैदा करना था। कार्यक्रम में वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी (एएचटीआई), वरिष्ठ पशु चिकित्सक (पशु स्वास्थ्य) और वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी, पशु चिकित्सालय, पोर्ट मोट उपस्थित थे, जिन्होंने प्रतिभागियों को विशेषज्ञ अंतर्दृष्टि प्रदान की। वरिष्ठ पशु चिकित्सक, एएचटीआई ने बकरी के दूध की विपणन संभावनाओं पर व्याख्यान दिया और ग्रामीण महिलाओं को वैज्ञानिक बकरी पालन अपनाकर आत्मनिर्भर उद्यमी बनने के अवसर बताए। वरिष्ठ पशु चिकित्सक, पशुपालन ने बकरी के दूध की आपूर्ति श्रृंखला के बारे में बताया, किसान के खेत से प्रसंस्करण इकाइयों और बाज़ार तक यात्रा की प्रक्रिया पर ज़ोर दिया, और गुणवत्ता नियंत्रण व कुशल परिवहन के महत्व को रेखांकित किया। वरिष्ठ पशु चिकित्सक, पशु चिकित्सालय, पोर्ट मोट ने कृत्रिम गर्भाधान की भूमिका और स्थानीय नस्लों के सुधार के महत्व को बताया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम का समापन श्री माइकल राज, अधिकारी, दिशा फाउंडेशन द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

आत्मनिर्भर गांव निर्माण पर प्रशिक्षण

हटबे, 26 फ़रवरी

आज पंचायत समिति हॉल, लिटिल अण्डमान में 'आत्मनिर्भर गांव निर्माण: रणनीतिक विकास और नई उभरती पहलों (थीम–6)' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायत कर्मचारियों की ग्रामीण विकास और सततता को बढ़ावा देने की समझ और कौशल को सशक्त करना था। प्रशिक्षण सत्रों में आत्मनिर्भर गांव की अवधारणा, दृष्टि, लक्ष्य और ढांचा तथा ग्रामीण सततता के लिए रणनीतिक विकास दृष्टिकोण शामिल थे। प्रतिभागियों को विस्तार अधिकारी डॉ. विशाल मंडल द्वारा ग्रामीण विकास में नई और उभरती पहलों, सरकारी योजनाओं, नवाचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में भी जानकारी दी गई। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार श्री बेल्थेज़र, खंड विकास अधिकारी, सामुदायिक विकास ब्लॉक, लिटिल अण्डमान ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय
Jawaharlal Nehru Rajkeeya Mahavidyalaya
Govt. College, Sri Vijaya Puram
Affiliated to Pondicherry Central University
(Accredited with 'A' grade by NAAC)
PMKVY

PRADHAN MANTRI KAUSHAL VIKASH YOJANA (PMKVY)
A & N ADMNISTRATION
UNDER "SKILL-HUB" 4.0

Admission Notice for Free Skill Development Courses at JNRM

Training Centre User ID: TC310276

QP Code	QP/Job Role Name	NSQF Level	Course Duration	Total Intake	Entry Requirement	Training Centre
SSC/Q2212	Digital Mitra	3	3 Months	20	Candidate should possess any Bachelor's degree (e.g., B.A., B.Sc., B.Com, B.E., B.Tech) from a recognized University or Institution.	JNRM, Sri Vijaya Puram
THC/Q8601	Adventure Travel Guide (Low Altitude)	4	5 Months	15	Candidate should possess any Bachelor's degree (e.g., B.A., B.Sc., B.Com, B.E., B.Tech) from a recognized University or Institution.	JNRM, Sri Vijaya Puram

Registration Details:
Online Registration: at https://www.skillindiadigital.gov.in/home and submit the generated ID to the respective Institute.
Offline Registration: Candidate may also visit the Institution between 09:00 AM to 05:00 PM with Original Documents along with one set of Photocopies of their educational Certificates; Age Proof, Aadhar card and two passport size photographs.
Last Date: 28/02/2026 **for Enquires Please Contact:**
Skill India Training Centre, JNRM, Room #05. Ph No. : 9474223678

Key Features for Digital Mitra:	Key Features for Adventure Travel Guide (Low Altitude):
Digital storytelling Training, Social media safety, self-learning modules, Training in MS office, Generating AI tools like ChatGPT, Gemini, Training in cloud storage and image handling.	Safety and Management, Logistic & Planning, Culture and natural Interpretation, High physical fitness & skills, communication and leadership.

-Sd-
PRINCIPAL

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन
सचिवालय

अधिसूचना

श्री विजय पुरम, दिनांक 13 फरवरी, 2026।

सं. 48/2026/फा.सं. 1-Haj/2023-Rev./E.Comp No. 16171. – हज समिति अधिनियम, 2002 की धारा 2 की उप–धारा (i) के साथ पठित इसी अधिनियम की धारा 21 (1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस संबंध में इससे पूर्व की सभी अधिसूचनाओं का अधिक्रमण करते हुए उप राज्यपाल (प्रशासक), अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह एतद्द्वारा श्री टी. अल्वी, सुपुत्र स्वर्गीय टी. मोहम्मद हाजी, फीनिक्स बे, श्री विजय पुरम को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के राज्य हज समिति का अध्यक्ष नियुक्त करते हैं। अध्यक्ष का कार्यकाल दिनांक 22.12.2025 की अधिसूचना संख्या 113 के तहत नियुक्त राज्य हज समिति के सदस्यों के कार्यकाल के साथ समाप्त होगा।

एडमिरल डी. के. जोशी
पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एनएम, वीएसएम (अ.प्रा.)
उप राज्यपाल
अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह।

उप राज्यपाल के आदेश से तथा उनके नाम पर,

ह./–
(ए. येसु राज)
सहायक सचिव (राजस्व)

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक–2, श्री विजय पुरम

नीलामी सूचना

F.1284-84/PMSHRI/KV-2/PB/2025-26 दिनांक 26.02.2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय सं. 2, श्री विजय पुरम के ऑडियो विजुअल उपकरण और अन्य फिक्स्ड एसेट्स (मेंटेनेंस और रिपेयर) से इस विद्यालय के अनुपयोगी अप्रचलित को 03/03/2026 को दोपहर 12.00 बजे विद्यालय परिसर में "जैसा है, जहाँ है" के आधार पर नीलामी हेतु प्रस्तुत किया जाएगा। इच्छुक व्यक्ति नीलामी में भाग ले सकते हैं। सर्वाधिक बोली लगाने वाले को नीलामी राशि तत्काल जमा करनी होगी तथा उसी दिन अपने खर्च पर सामग्री ले जानी होगी।

केविएस के कर्मचारी और उनके परिजन नीलामी प्रक्रिया में भाग नहीं ले सकते।

प्राचार्य
के.वी. नंबर 2 श्री विजय पुरम

ई–निविदा सूचना

F.No.116/HVADA/NHM&FLORICUTURE/2025-26/90
दिनांक 25.02.2026

उष्णकटिबंधीय कट लावर के रोग–मुक्त रोपण सामग्री की आपूर्ति के लिए ऑनलाइनई–निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं, एक वर्ष तक की अवधि के लिए जब आवश्यक हो तब तक के आधार पर आपूर्ती हेतु इच्छुक अधि.त नर्सरी से अनुरोध किया जाता है कि वे अपना दर कोट करें।

ऑनलाइन निविदा दिनांक 16 मार्च 2026 के 10.00 बजे तक भरे जा सकते है जिसे उसी दिन 10.30 बजे खोला जाएगा।

निविदा दस्तावेज के साथ विवरण, नियम एवं शर्तें वेबसाईट, मूल्य अनुसूची तथा तकनीकी अनुसूची वेबसाइट https://eprocure.andaman.gov.in पर उपलब्ध है ।
Tender ID : 2026_AGPRO_22093_1

सहायक
निदेशक (प्रशासन)

शपथ पत्र

मैं, एम. पनीर सेल्वम, सुपुत्र आर. मणिकम, निवासी ऑस्टिनाबाद, श्री विजय पुरम तहसील, दक्षिण अण्डमान जिला, इसके द्वारा पूरी ईमानदारी से यह घोषणा करते हैं कि :

1. मेरे पिता का असली नाम रायप्पन मणिकम है।
2. मेरे पासपोर्ट में मेरे पिता का नाम गलती से रायप्पन मणिकम की जगह मणिकम लिखा है।
3. मैं अपने पासपोर्ट में अपने पिता का नाम मणिकम की जगह रायप्पन मणिकम करवाना चाहता हूँ।

ऊपर दी गई तथ्य मेरी जानकारी और विश्वास से सही है।

स्थान : श्री विजय पुरम
दिनांक 26.02.2026 शपथकर्त्ता

सिर्फ 'मथुरा–वृंदावन' ही नहीं इन जगहों की होली भी होती है कमाल, रंगों में हो जाएंगे सराबोर

नई दिल्ली, 26 फरवरी।

होली का नाम आते ही ज़हन में सबसे पहले मथुरा–वृंदावन की लठमार और फूलों वाली होली की तस्वीर ही आती है. राधा–कृष्ण की नगरी में रंगों का जो आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संगम दिखता है, वह वाकई अनोखा होता है. जिसे देखने के लिए दूर–दूर से लोग भी आते हैं. कुछ लोग तो हर साल मथुरा की इन होली का जश्न मनाने जाते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि सिर्फ मथुरा और वृंदावन में ही नहीं बल्कि देश के कई हिस्सों में होली का एक अलग ही जश्न देखने को मिलता है. इन जगहों पर अलग–अलग तरह से होली सेलिब्रेट की जाती है, जो वाकई देखने लायक होती है।

होली सिर्फ रंग लगाने का त्योहार नहीं, बल्कि यह दिलों से दूरियां मिटाने, बीते गिले–शिकवे भूल जाने और रिश्तों में नई मिठास घोलने का एक मौका होता है. अलग–अलग राज्यों और शहरों में य उत्सव अलग रंग–रूप में देखने को मिलता है. कहीं सूखे गुलाल की खुशबू में, कहीं ढोल–नगाड़ों की गूंज, तो कहीं पारंपरिक व्यंजनों और लोककथाओं का स्वाद. चलिए इस आर्टिकल में जानते हैं ऐसी ही 5 जगहें जहां की होली एक बार तो आपको जरूर एक्सपीरियंस करनी चाहिए।

बरसाना की लट्ठ मार होली

बरसाना की होली दुनियाभर में लठमार होली के नाम से मशहूर है. यहां महिलाएं प्रतीकात्मक रूप से पुरुषों पर लाठियां बरसाती हैं और पुरुष ढाल लेकर खुद को बचाते हैं. यह परंपरा राधा–कृष्ण की लीलाओं से जुड़ी मानी जाती है. रंग और भक्ति का यह अनोखा संगम बरसाना की होली को बिल्कुल अलग बनाता है. 25 फरवरी को बरसाना की लट्ठ मार होली मनाई जाएगी, जो वाकई एक बार तो आपको जरूर देखनी चाहिए।

वाराणसी में भी होली का जश्न

काशी की होली में आध्यात्म और मस्ती का अनूठा मेल देखने को मिलता है. यहां की सिर्फ दिवाली ही नहीं बल्कि होली भी काफी कमाल की होती है. यहां गंगा घाटों पर रंगों के साथ–साथ संगीत, भांग और ठंडाई की धूम रहती

है. शिवभक्तों की टोली, ढोल–नगाड़ों की गूंज और घाटों पर उड़ता गुलाल सब मिलकर वाराणसी की होली को बेहद खास बनाते हैं।

शांतिनिकेतन की होली

पश्चिम बंगाल के शांतिनिकेतन में होली को बसंत उत्सव के रूप में मनाई जाती है. यहां रंगों के साथ रवींद्रनाथ टैगोर की परंपरा जुड़ी है. छात्र–छात्राएं पीले वस्त्र पहनकर गीत, नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए वसंत और होली का स्वागत करते हैं. ये होली शोर से ज्यादा सौंदर्य और कला की पहचान मानी जाती है. अगर आपको भी शांत और सुकून देने वाली होली मनानी है तो आप शांतिनिकेतन जा सकते हैं।

उदयपुर की शाही होली भी कमाल

उदयपुर की होली शाही अंदाज के लिए जानी जाती है. यहां मेवाड़ राजघराने की परंपराओं के साथ होलिका दहन और भव्य जुलूस निकाले जाते हैं. राजसी पोशाकें, सजे–धजे हाथी–घोड़े और लोकनृत्य उदयपुर की होली को एक शाही उत्सव बना देते हैं. शाही फील के लिए आपको एक बार उदयपुर की होली जरूर मनानी चाहिए।

प्रयागराज की धूम–धड़ाके वाली होली

संगम नगरी प्रयागराज में भी होली का एक अलग ही जश्न देखने को मिलता है. यहां कपड़ा फाड़ होली काफी मशहूर है. जहां मोहल्लों में सामूहिक होली खेली जाती है. जिसमें पुरुष एक दूसरे के कपड़े तक फाड़ते हैं. इतना ही नहीं म्यूजिक और मेल–मिलाप कर होली को एक बेहद प्यारा रंग दिया जाता है।

सरकार सीमा शुल्क प्रशासन को तकनीकी, पारदर्शी और व्यापार–अनुकूल बनाने के लिए उसे मजबूत कर रही है: वित्त राज्य मंत्री

नई दिल्ली, 26 फरवरी।

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने आज कहा कि सरकार राष्ट्रीय भारत के सीमा शुल्क प्रशासन को अधिक प्रौद्योगिकी–आधारित, पारदर्शी और व्यापार–अनुकूल बनाने के लिए उसे मजबूत कर रही है। नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय सीमा शुल्क दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री चौधरी ने कहा कि यह दिन सीमा पार माल की सुरक्षित, व्यवस्थित और कुशल आवाजाही सुनिश्चित करने में विश्व स्तर पर सीमा शुल्क प्रशासनों द्वारा निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका की याद दिलाता है। इस वर्ष के विषय, सतर्कता और प्रतिबद्धता के माध्यम से समाज की रक्षा करना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध वन्यजीव व्यापार और आर्थिक अपराध जैसे उभरते खतरों के कारण यह विषय अत्यंत प्रासंगिक है।

श्री चौधरी ने केंद्रीय बजट 2026–27 में घोषित प्रमुख सुधारों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नए सुधारों ने अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए नियमों को सरल और स्पष्ट कर दिया है। साथ ही लघु और मध्यम उद्यमों को वैश्विक बाजारों तक पहुंच बढ़ाने के लिए ई–कॉमर्स और कूरियर क्लीयरेंस को सुव्यवस्थित किया है। श्री चौधरी ने कहा कि मजबूत सिंगल विंडो सिस्टम, बेहतर कार्गो पंजीकरण और क्लीयरेंस प्रक्रियाएं, उन्नत स्कैनिंग सिस्टम और एआई–आधारित इमेज एनालिसिस जैसी डिजिटल पहल व्यापार में न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि ये सुधार भारत को एक प्रतिस्पर्धी और विश्वसनीय वैश्विक व्यापार केंद्र बनाता है।

इस अवसर पर श्री चौधरी ने स्विट 2.0 का भी उद्घाटन किया। यह एक एकीकृत डिजिटल सिंगल–विंडो प्लेटफॉर्म है। साथ ही उन्होंने अतिथी 2.0 का भी उद्घाटन किया, जो एक स्वचालित यात्री सुविधा प्रणाली है।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीन अभियान के रूप में शुरू करेगी सरकार: नीति आयोग सदस्य

नई दिल्ली, 26 फरवरी।

नीति आयोग के सदस्य डॉ. विनोद के पॉल ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीन को सरकार एक अभियान के रूप में शुरू कर रही है। डॉ. पॉल ने कहा कि यह वैक्सीन 14 वर्ष तक की बालिकाओं को दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रजनन जीवन से पहले बालिकाओं को इस बारे में जानकारी हो और टीकाकरण के माध्यम से उन्हें संक्रमण से सुरक्षित रखा जा सकें।

आसमान में हो सकता है चक्का जाम, 2030 तक Flight Delay की समस्या हो जाएगी विकराल; पढ़ें एक्सपर्ट की चेतावनी

नई दिल्ली, 26 फरवरी।

वर्तमान में खराब मौसम, तकनीकी खराबी या औद्योगिक हड़ताल के कारण उड़ानें अक्सर विलंबित हो जाती हैं, लेकिन भविष्य में अंतरिक्ष से आने वाला मलबा भी उड़ानों में देरी के लिए एक प्रमुख वजह बन सकता है। साइंटिफिक रिपोर्ट्स के एक नए शोध में इसे लेकर चेतावनी दी गई है। शोधकर्ताओं के अनुसार, उपग्रहों से निकलने वाला मलबा विमानों के लिए एक गंभीर खतरा बनता जा रहा है।

समस्या से बचने के लिए क्या करना होगा?

शोध के अनुसार, अनियंत्रित रॉकेट के पुनः प्रवेश (जब कोई खराबी वाला उपग्रह अनियोजित रूप से पृथ्वी पर वापस आ गिरता है) की वार्षिक संभावना 26 प्रतिशत है। हालांकि, इस आंकड़े का यह अर्थ नहीं है कि विमान मलबे के संपर्क में आएंगे। बल्कि, यह विमानों द्वारा उपयोग किए जाने वाले हवाई क्षेत्र से गुजरते हुए रॉकेट की संभावना को दर्शाता है।

इसका अर्थ यह होगा कि क्षेत्र का प्रबंधन करने वाले अधिकारियों को सुरक्षा उपाय के रूप में यात्री विमानों के लिए मार्ग बंद करना पड़ सकता है। अब तक अंतरिक्ष मलबे के यात्री विमान से टकराने की घटना सामने नहीं आई है लेकिन, अगर एहतियाती तौर पर भी हवाई मार्ग बंद करना पड़े तो यात्रियों के बीच अफरा–तफरी मच सकती है।

विमानों और उपग्रहों की संख्या में तेज वृद्धि

ग्लोबल कनेक्टिविटी की बढ़ती मांग के कारण उपग्रह प्रक्षेपणों में तेजी से वृद्धि हो रही है। अनुमानों के अनुसार, साल 2030 तक 58,000 से 70,000 उपग्रहों को लॉन्च किया जा सकता है। वहीं 2050 तक वैश्विक हवाई

यातायात में प्रति वर्ष औसतन लगभग 35 से 4.2 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है।

जैसे–जैसे उपग्रहों का प्रक्षेपण बढ़ रहा है और वाणिज्यिक उड़ानों की संख्या में वृद्धि हो रही है, वैसे–वैसे समस्या पैदा करने वाले अंतरिक्ष मलबों को लेकर संभावना भी बदल रही है।

क्या पहले भी मलबे की वजह से उड़ानों में हुई देरी?

जनवरी, 2025 में स्पेसएक्स रॉकेट के पुनः प्रवेश से संभावित रूप से मलबा गिरने की चेतावनी के कारण क्वांटास एयरलाइंस ने ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच कई उड़ानों का समय बदला गया था। इससे कई उड़ानें छह घंटे तक की देरी से संचालित की गई थी।

दिसंबर, 2025 में लॉन्च किया गया चीनी रॉकेट में झुके – 3 दक्षिण प्रशांत महासागर गिर गया था, जिसके बाद ब्रिटेन मैं मलबा गिरने की आशंका को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया था। 2022 में स्पेन और फ्रांस के कुछ हिस्सों के हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया गया था, क्योंकि उस क्षेत्र में रॉकेट का मलबा गिरने की आशंका जताई गई थी। इससे सैकड़ों उड़ानें डिले हुई थीं।

मेघालय का सबसे खतरनाक ट्रैक यू मावरिंगखांग बांस ट्रैक, पत्थरों के राजा की प्रेम कथा से जुड़ा है इतिहास

नई दिल्ली, 26 फरवरी।

एडवेंचर और कुदरत के रहस्यों को पसंद करने वालों के लिए मेघालय किसी जन्नत से कम नहीं है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि मेघालय में एक ऐसा रास्ता है जिसे देश के सबसे खतरनाक ट्रैक्स में गिना जाता है? हम बात कर रहे हैं 'यू मावरिंगखांग बांस ट्रैक' की। शिलांग से लगभग 40 किलोमीटर दूर वाहखेन गांव में स्थित यह ट्रैक न केवल अपनी मुश्किल चढ़ाई, बल्कि एक प्राचीन लोककथा के लिए भी मशहूर है। आइए जानें इसके बारे में।

3 हजार सीढ़ियों का सफर

यह ट्रैक कोई साधारण रास्ता नहीं है, बल्कि बांस से बना इंजीनियरिंग का एक अद्भुत नमूना है। एडवेंचर के शौकीनों के लिए यह एक बेहतरीन जगह है, जहां सैलानियों को करीब 3,000 सीढ़ियां पार करनी होती हैं। यह ट्रैक एक खड़ी पहाड़ी पर बना है जो नदी के एक छोर से दूसरे छोर तक फैला हुआ है।

इस सफर को पूरा करने में आमतौर पर 3 से 5 घंटे का समय लगता है। सुरक्षा के लिहाज से यहां एक खास नियम का पालन किया जाता है कि बांस के पुल पर एक साथ बहुत ज्यादा लोगों को चलने की अनुमति नहीं दी जाती है।

कब जाएं और किन बातों का रखें ध्यान?

मेघालय अपनी बारिश के लिए जाना जाता है, लेकिन इस ट्रैक के लिए बरसात का मौसम काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। बारिश के खतरों से बचने के लिए यहां जाने का सबसे बेहतरीन समय अक्टूबर से मार्च के बीच है। इस दौरान मौसम सुहावना होता है और ट्रैक पर पकड़ बनाना आसान होता है।

पत्थरों के राजा की अमर प्रेम कथा

इस ट्रैक का असली आकर्षण इसके साथ जुड़ी वह प्राचीन कहानी है, जो खासी जनजाति के लोगों और उनकी परंपराओं से निकलकर आती है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, यू मावरिंगखांग केवल एक विशाल चट्टान नहीं, बल्कि पत्थरों का राजा था।

क्या है यह कहानी?

यू मावरिंगखांग को पास की एक बेहद सुंदर चट्टान कथियांग से प्रेम हो गया था, लेकिन कहानी में एक मोड़ तब आया जब यू मावपातोर नामक एक अन्य चट्टान भी कथियांग के प्रेम में पड़ गई। दोनों शक्तिशाली चट्टानें कथियांग को पाना चाहती थीं, जिसके कारण उनके बीच भयंकर युद्ध छिड़ गया। इस युद्ध में यू मावरिंगखांग ने अपनी वीरता का परिचय देते हुए यू मावपातोर को हरा दिया और अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की। आज यू मावरिंगखांग न केवल एक लोकप्रिय ट्रैकिंग स्थल है, बल्कि यह मेघालय की समृद्ध संस्कृति और लोककथाओं का प्रतीक भी है।

खबरों और रोचक जानकारियों के लिए पढ़िए
'द्वीप समाचार'

पोखरण से शक्ति का संदेशः एस–400 समेत आधुनिक हथियारों की अचूक मारक क्षमता का प्रदर्शन

नई दिल्ली, 26 फरवरी।

भारतीय वायुसेना एक बार फिर अपनी अचूक क्षमता, अभेद्य सुरक्षा और सटीक प्रहार कौशल का शानदार प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। 27 फरवरी को पोखरण के रेगिस्तानी क्षेत्र में 'वायुशक्ति 26' के तहत भारतीय आसमान में ताकत, गति और समन्वित मारक क्षमता का अद्भुत नजारा देखने को मिलेगा।

27 फरवरी को होने वाले इस निर्णायक प्रदर्शन से पहले पोखरण में पूर्ण पूर्वाभ्यास किया गया। इस दौरान भारतीय वायुसेना ने सभी संचालन मानकों को सफलतापूर्वक परखा। अभ्यास के दौरान सभी निर्धारित लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से नष्ट किया गया। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि वायु सेना पूरी तरह से हर मिशन के लिए तैयार है।

'वायुशक्ति 26' को लेकर भारतीय वायुसेना ने पहली बार एक आधिकारिक वीडियो में एस–400 वायु रक्षा प्रणाली की फायरिंग का दृश्य साझा किया है। इसमें वीडियो में एस–400 वायु रक्षा प्रणाली से लक्ष्य भेदते हुए देखा जा सकता है।यह प्रणाली दुश्मन के लड़ाकू विमान और मिसाइल जैसे बड़े हवाई खतरों को लंबी दूरी से ही नष्ट करने में सक्षम है। एस–400 प्रणाली अत्याधुनिक रडार और मिसाइल तकनीक से लैस है। यह एक साथ कई लक्ष्यों पर नजर रखने और उन्हें मार गिराने की क्षमता से लैस है।

वायुसेना के इस महत्वपूर्ण अभ्यास में तेजस, राफेल, सुखोई–30 एमकेआई, मिग–29, मिराज–2000 और जगुआर जैसे लड़ाकू विमान हिस्सा लेंगे। साथ ही सी–17, सी–130जे और सी–295 जैसे बड़े ट्रांसपोर्ट विमान भी यहां उड़ान भरते दिखाई देंगे। वहीं, अपाचे हेलिकॉप्टर, चिनूक हेलीकॉप्टर, एलसीएच एमआई–17 जैसे हेलीकॉप्टर और ड्रोन भी अभ्यास का हिस्सा बनेंगे। इस अभ्यास में 120 से ज्यादा एयरक्राट शामिल हैं।

इस अभ्यास में हाल के ऑपरेशन 'सिंदूर' की सफलता का भी जिक्र होगा। इससे यह स्पष्ट संदेश दिया जाएगा कि भारतीय वायुसेना हवा में दबदबा बनाने और लंबी दूरी तक सटीक वार करने में पूरी तरह सक्षम है। 'वायुशक्ति 26' में अत्याधुनिक लड़ाकू विमान, परिवहन विमान और हेलिकॉप्टर अपनी समन्वित क्षमता का प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान सटीक निशाना, तेज गति और तालमेल का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा।

रेगिस्तान की धरती पर जब भारतीय वायुसेना के विमान आकाश में गर्जना करेंगे, तब पोखरण एक बार फिर देश

की सैन्य ताकत और आत्मविश्वास का साक्षी बनेगा। 'वायुशक्ति 26' केवल एक प्रदर्शन नहीं, बल्कि भारत की सशक्त और सजग हवाई क्षमता का जीवंत संदेश है। 'वायुशक्ति' का जबरदस्त प्रदर्शन पाकिस्तान बॉर्डर के समीप 27 फरवरी को राजस्थान के जैसलमेर स्थित पोखरण रेंज में होगा।

एक खास बात यह भी है कि यह अभ्यास दिन, शाम और रात तीनों परिस्थितियों में संचालित होगा। अलग अलग मिशनों के जरिए वायुसेना चौबीसों घंटे की युद्ध तत्परता को दर्शाएगी। मुख्य आयोजन से पहले पोखरण फील्ड एंड फायरिंग रेंज में ही फुल ड्रेस रिहर्सल की गई।

दरअसल, भारतीय वायु सेना सबसे पहले, सबसे तेज और सबसे प्रचंड जवाब देने वाली शक्ति के रूप में जानी जाती है। इस अभ्यास में दिखाया जाएगा कि अगर दुश्मन कोई हरकत करता है तो उसे किस तेजी और सटीकता से जवाब दिया जा सकता है। दिन हो, शाम हो या रात, हर परिस्थिति में ऑपरेशन को अंजाम देने की क्षमता का प्रदर्शन होगा। वायुसेना के मुताबिक, अभ्यास में यह भी दिखाया जाएगा कि भारतीय वायुसेना केवल युद्धकाल में ही नहीं, बल्कि शांति और आपदा के समय भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

देश और विदेश में संकटग्रस्त क्षेत्रों में त्वरित एयरलिट, बचाव और निकासी अभियान चलाने की क्षमता का प्रदर्शन भी इस अभियान का हिस्सा होगा। यहां आधुनिक हथियारों जैसे आकाश मिसाइल, स्पाइडर एयर डिफेंस सिस्टम, शॉर्ट रेंज लोइटरिंग म्यूनिशन और एंटी–ड्रोन सिस्टम का भी प्रदर्शन किया जाएगा। 'वायुशक्ति–26' के जरिए वायुसेना देश को यह भरोसा दिला रही है कि वह हर चुनौती से निपटने के लिए तैयार है। यहां वायुसेना दिखाएगी की उसका वार अचूक, अभेद्य और सटीक है।

भारत के युवा और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र देश के विकास को गति दे रहे हैंः वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री

नई दिल्ली, 26 फरवरी।

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत के युवा और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र देश के विकास को गति दे रहे हैं। श्री गोयल ने ईवाई एंटरप्रेन्योर ऑफ द ईयर पुरस्कार समारोह में कहा कि जुनून, नवाचार और कुशल मानव संसाधन भारत की सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धी ताकत हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन के दौरान मिली वैश्विक प्रतिक्रिया ने भारत के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र और तकनीकी क्षमताओं की गहराई और परिपक्वता को प्रदर्शित किया है।

श्री गोयल ने कहा कि एआई नौकरियों को खत्म करने के बजाय उनमें बदलाव लाएगा। उन्होंने बताया कि भारत हर साल लगभग 23 लाख विज्ञान, प्रौद्योगिकी और गणित–एसटीईएम स्नातक तैयार करता है और उसके पास युवा, अनुकूलनीय और महत्वाकांक्षी प्रतिभाओं का एक अद्वितीय भंडार है।

वाईटूके युग के बाद एआई को अगला बड़ा परिवर्तनकारी बिंदु बताते हुए उन्होंने कहा कि यह उच्च मूल्य वाली नौकरियां सृजित करेगा, निर्यात को बढ़ावा देगा तथा साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण और सिस्टम गवर्नेंस में कौशल

की मांग बढ़ाएगा। श्री गोयल ने बताया कि भारत ने 38 देशों के साथ नौ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं, जिससे भारतीय वस्तुओं और सेवाओं के लिए व्यापक बाजार पहुंच उपलब्ध हुई है।

पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि भारत का विकास सफर उद्यमियों और युवाओं की बदौलत निरंतर जारी रहेगा और उन्होंने सभी हितधारकों से विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए सामूहिक रूप से काम करने का आग्रह किया।

कृत्रिम सामग्री का निर्माण उस व्यक्ति की सहमति के बिना नहीं किया जाना चाहिएः सूचना और प्रसारण मंत्री

नई दिल्ली, 26 फरवरी।

सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि कृत्रिम सामग्री का निर्माण उस व्यक्ति की सहमति के बिना नहीं किया जाना चाहिए जिसका चेहरा, आवाज या व्यक्तित्व सामग्री बनाने में इस्तेमाल किया गया हो। उन्होंने यह बात आज नई दिल्ली में एक सम्मेलन में कहीं। श्री वैष्णव ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म को अपने द्वारा परोसी जाने वाली सामग्री की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों और बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा प्लेटफार्म की जिम्मेदारी है।

श्री वैष्णव ने कहा कि अब समय आ गया है कि प्लेटफॉर्म साइबर धोखाधड़ी और साइबर अपराध के खिलाफ सक्रिय कदम उठाएं। उन्होंने बताया कि सरकार ने हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ गहन बातचीत की है और उन्हें स्पष्ट रूप से निर्देश दिया है कि वे नागरिकों की ऑनलाइन सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि प्लेटफॉर्मों

को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका उपयोग अवैध गतिविधियों को बढ़ावा देने या अपराध करने के लिए न किया जाए।

श्री वैष्णव ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म से राजस्व बंटवारे की नीतियों पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्लेटफार्म को सामग्री बनाने वाले लोगों के साथ भी उचित तरीके से राजस्व साझा करना चाहिए।

कांचीपुरम को क्यों कहा जाता है 'City of Thousand Temples', जानिए इस शहर के प्राचीन मंदिरों का इतिहास

नई दिल्ली, 26 फरवरी।

अगर भारत के सबसे पवित्र शहरों की बात करें, तो मन में सबसे पहले काशी या मथुरा का नाम आता है, लेकिन क्या आप जानते हैं भारत का City of Thousand Temples किसे कहा जाता है?

तमिलनाडु में बसा एक छोटा–सा शहर कांचीपुरम को हजारों मंदिरों का शहर कहा जाता है। पलार नदी के तट पर स्थित यह प्राचीन शहर रेशमी साड़ियों के साथ–साथ अपनी आध्यात्मिक विरासत के लिए भी जाना जाता है। आइए जानें आखिर क्यों कांचीपुरम सिटी ऑफ थाउजेंट टेंपल्स कहा जाता है।

क्यों मिला यह खास नाम?

प्राचीन काल में कांचीपुरम में 1,000 से ज्यादा मंदिर हुआ करते थे, जिन्हें पल्लव, चोल और विजयनगर साम्राज्य के शासन के दौरान बनवाया गया था। आज भी यहां लगभग 120 से ज्यादा विशाल और भव्य मंदिर सुरक्षित अवस्था में हैं, जो अपनी वास्तुकला के लिए दुनिया भर में जाने जाते हैं। इस शहर को हिंदू धर्म के सबसे पवित्र सात शहरों (सप्त पुरी) में से एक माना जाता है। यहां की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह शहर शैव और वैष्णव दोनों संप्रदायों का संगम स्थल है।

कांचीपुरम के मंदिरों की अनोखी खासियत

वास्तुकला का बेजोड़ नमूना– यहां के मंदिर मुख्य रूप से पल्लव, चोल और विजयनगर राजाओं ने बनवाए थे। कैलाशनाथर मंदिर, जो कांचीपुरम का सबसे पुराना मंदिर है, अपनी पल्लवकालीन नक्काशी के लिए जाना जाता है। इसकी दीवारों पर उकेरी गई आकृतियां इतनी बारीक हैं कि वे पत्थर नहीं बल्कि लकड़ी की

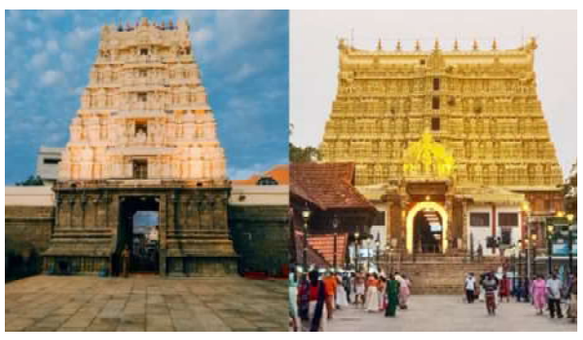

नक्काशी जैसी प्रतीत होती हैं।

एकम्बरेश्वर मंदिर– यह शहर का सबसे बड़ा और भगवान शिव के पृथ्वी तत्व को समर्पित मंदिर है। माना जाता है कि यहां देवी पार्वती ने मिट्टी से बने शिवलिंग की पूजा की थी। इसलिए यहां भगवान शिव के पृथ्वी लिंग की पूजा की जाती है।

कामाक्षी अम्मन मंदिर– कांचीपुरम शक्ति का भी केंद्र है। कामाक्षी अम्मन मंदिर को शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। यहां देवी कामाक्षी पद्मासन मुद्रा में विराजमान हैं, जो शांति और समृद्धि का प्रतीक है।

साड़ियों और मंदिरों का संगम– कांचीपुरम का नाम आते ही कांजीवरम साड़ियों का ख्याल आता है। दिलचस्प बात यह है कि इन साड़ियों के बॉर्डर और डिजाइन अक्सर यहां के मंदिरों की नक्काशी और गोपुरम से प्रेरित होते हैं।

कांचीपुरम एक ऐसा शहर है, जो हजारों साल का इतिहास कहता है। अगर आप वास्तुकला, शांति और आध्यात्मिकता के प्रेमी हैं, तो आपको एक बार कांचीपुरम जरूर जाना चाहिए।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने गूगल मैप्स पर अधिकृत आधार केंद्रों को प्रदर्शित करने के लिए गूगल के साथ साझेदारी की

नई दिल्ली, 26 फरवरी।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने गूगल मैप्स पर अधिकृत आधार केंद्रों को प्रदर्शित करने के लिए गूगल के साथ साझेदारी की है। इस पहल से देश भर के निवासियों के लिए अधिकृत आधार केंद्रों तक पहुंच में आसानी होगी और सुविधा में बढोतरी होगी।

इस पहल से नागरिकों को आधार केंद्रों की पहचान करने में सहायता मिलेगी। साथ ही वयस्क नामांकन, बाल नामांकन या केवल पता और मोबाइल नंबर अपडेट जैसी सेवाओं से संबंधित केन्द्रों की सटीक जानकारी उपलब्ध होगी। इसके अलावा, केंद्र की सुगमता से संबंधित जानकारी, जैसे दिव्यांग–अनुकूल बुनियादी ढांचा, पार्किंग सुविधा की उपलब्धता और संचालन समय संबंधी जानकारी को प्रदर्शित किया जाएगा जिससे नागरिकों को और अधिक सुविधा मिलेगी। यह सुविधा आने वाले महीनों में उपलब्ध होने की आशा है।

इस सहयोग का उद्देश्य जनसुविधा को बढ़ाना, गलत सूचनाओं से बचना और यह सुनिश्चित करना है कि नागरिकों को देशभर में अत्याधुनिक आधार सेवा केंद्रों (एएसके) सहित 60,000 से अधिक आधार केंद्रों तक निर्बाध पहुंच प्राप्त हो। इससे यह सुनिश्चित होगा कि जब उपयोगकर्ता गूगल मैप्स पर खोज करेंगे, तो उन्हें सत्यापित आधार केंद्रों तक निर्देशित किया जाएगा।

यूआईडीएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री भुवनेश कुमार ने कहा कि यूआईडीएआई का उद्देश्य हमेशा आधार नंबर धारकों के जीवन में सुगमता लाने पर केंद्रित रहा है। यह सहयोग सुनिश्चित करेगा कि अधिकृत आधार केंद्रों तक पहुंच अब आसान, तेज और अधिक पारदर्शी होगी।

सहयोग के अगले चरण में, यूआईडीएआई केंद्र की जानकारी को प्रबंधित करने और लोगों की प्रतिक्रिया का सीधे जवाब देने के लिए गूगल बिजनेस प्रोफाइल का उपयोग करेगा, जिससे एक पारदर्शी और उत्तरदायी सेवा प्रणाली सुनिश्चित होगी।

भविष्य में, यह साझेदारी गूगल मैप्स इंटरफेस के माध्यम से सीधे अपॉइंटमेंट बुकिंग की संभावनाओं का पता लगाएगी, जिससे निवासियों को अपनी यात्राओं की योजना और भी अधिक कुशलता से तय करने में मदद मिलेगी।

गूगल इंडिया की रणनीतिक साझेदारी की कंट्री हेड सुश्री रोली अग्रवाल ने कहा कि यूआईडीएआई के साथ मिलकर सत्यापित आधार केंद्रों को एकीकृत करने से, हम लाखों निवासियों के लिए भरोसेमंद सेवाओं को विश्वास के साथ ढूंढना आसान बना रहे हैं और आवश्यक सरकारी बुनियादी ढांचे और उन लोगों के बीच के अंतर को पाट रहे हैं जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है।

इतिहास के पन्नों में 27 फरवरी

नई दिल्ली, 26 फरवरी।

महत्वपूर्ण घटनाक्रम

1879 – आर्टिफिशियल स्वीटनर सैकरीन की खोज 1879 में आज ही के दिन रूसी रसायनशास्त्री कॉन्सटैंटिन फालबर्ग ने की थी। कोल तार के पदार्थों पर शोध करने के दौरान उनके हाथ में किसी पदार्थ की मिठास रह गई। इस पदार्थ को उन्होंने सैकरिन नाम दिया। यह व्यावसायिक रूप से उपलब्ध होने वाला पहला कृत्रिम मिठास देने वाला पदार्थ था।

1932 – ब्रिटिश भौतिकशास्त्री जेम्स चौडविक ने न्यूट्रॉन की खोज की। अणु में प्रोटॉन और न्यूट्रॉन मिलकर अणु का केंद्रक बनाते हैं। इलेक्ट्रॉन इस केंद्रक के चारों तरफ चक्कर लगाते हैं। इस खोज के बाद अणु के केंद्रक को अलग करना संभव हुआ, जिससे परमाणु बम बनाने की राह प्रशस्त हुई।

2001 – गोधरा, गुजरात में अयोध्या से वापस आ रहे कारसेवकों के डिब्बे में आग लगाए जाने से 59 हिन्दू कारसेवकों की मौत।

2001 – अफगानिस्तान में तालिबान द्वारा सभी देव प्रतिमाओं को नष्ट करने का आदेश।

2005 – मारिया शारापोवा ने श्कतर ओपनश खिताब जीता।

2007 – लान्साना कोयटे गुयाना के नये प्रधानमंत्री बने।

2008 – लगातार सातवें साल विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए 25 महिलाओं को जी. आर–8 सम्मान से नवाजा गया।

2008 – पाकिस्तान की सरकार ने आसिफ़ अली जरदारी के ख़लिाफ़ लगाये गए भ्रष्टाचार के सभी आरोप वापस लिए।

2009 – भूतपूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने अपनी लोकसभा सीट का उत्तराधिकारी पार्टी के वरिष्ठ नेता लाल जी टंडन को सौंपा।

2010 – भारत ने आठवीं राष्ट्रमंडल निशानेबाज़ी प्रतियोगिता में 35 स्वर्ण, 25 रजत और 14 कॉस्य सहित कुल 74 पदक जीतकर प्रथम स्थान हासिल किया। इंग्लैंड चार स्वर्ण सहित 31 पदक जीतकर दूसरे स्थान पर और वेल्स चार स्वर्ण सहित 13 पदक जीतकर तीसरे स्थान पर रहा। ऑस्ट्रेलिया ने तीन स्वर्ण सहित 19 पदक जीतकर चौथा स्थान हासिल किया।

2012 – भारत 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा, लेकिन उसकी ऊर्जा की मांग घटकर 4.5 प्रतिशत रह जाएगी। उर्जा क्षेत्र की वैश्विक कंपनी बीपी ने यह अनुमान लगाया है।

जन्म

1882– विजय सिंह पथिक – राजस्थान के प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी थे।

1912– विष्णु वामन शिरवाडकर कुसुमाग्रज – मराठी कवि, नाटककार, उपन्यासकार और लघु कथाकार थे।

1925– श्यामा चरण शुक्ल – मध्य प्रदेश के भूतपूर्व मुख्यमंत्री थे।

1934– मनोज दास – प्रसिद्ध उड़िया साहित्यकार थे।

1943– बी. एस. येदयुरप्पा – भारतीय राजनीतिज्ञ और कर्नाटक, के मुख्यमंत्री हैं।

1945– सत्य देव सिंह – भारतीय जनता पार्टी के राजनेता थे।

1952– प्रकाश झा – प्रसिद्ध भारतीय हिन्दी फ़िल्मकार हैं।

1954– वीरेन्द्र कुमार खटीक – भारतीय राजनीतिज्ञ और भारत की 17वीं लोकसभा के सांसद हैं।

बीएएफटीए फिल्म अवार्ड्स 2026ः फिल्म 'बूंग' ने सर्वश्रेष्ठ चिल्ड्रन्स एंड फैमिली फिल्म का पुरस्कार जीता

नई दिल्ली, 26 फरवरी।

लक्ष्मीप्रिया देवी की फिल्म 'बूंग' ने बीएफटीए फिल्म अवार्ड्स 2026 में सर्वश्रेष्ठ चिल्ड्रन्स एंड फैमिली फिल्म का पुरस्कार जीताह है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय और राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम ने फिल्मनिर्माता लक्ष्मीप्रिया देवी और 'बूंग' की पूरी टीम को बीएएफटीए फिल्म अवार्ड्स 2026 में सर्वश्रेष्ठ चिल्ड्रन्स एंड फैमिली फिल्म का पुरस्कार जीतने पर बधाई दी है।

यह बड़ी कामयाबी भारतीय सिनेमा के लिए गर्व का पल है और भारत की विविधतापूर्ण और सार्थक कहानी कहने की परंपराओं के लिए दुनिया भर में बढ़ती सराहना को दिखाता है। फिल्म के सफर को भारत के फिल्म विकास और महोत्सव इकोसिस्टम ने समर्थन दिया है।

आपको बता दें, बूंग को 2023 में वर्क इन प्रोग्रेस लैब और फिल्म बाजार रिकमेंड्स के तहत फिल्म बाजार में बनाया गया था। ये पहल होनहार फिल्म निर्माताओं को आगे बढ़ाने और वैश्विक उद्योग से जुड़ाव को मुमकिन बनाने के लिए की गई हैं। इसके बाद फिल्म को 2024 में 55वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में दिखाया गया, जहां इसे

सर्वश्रेष्ठ डेब्यू डायरेक्टर कैटेगरी में चुना गया, जिससे इसकी समालोचक प्रशंसा और पक्की हो गई।

भारत सरकार और राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम, फिल्म बाजार और भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव जैसे प्लेटफॉर्म को मजबूत करने के अपनी प्रतिबद्धता को फिर से दोहराते हैं, जो फिल्म निर्माताओं को मजबूत बनाते हैं, रचनात्मक उत्कृष्टता को बढ़ावा देते हैं। इससे भारतीय सिनेमा को अंतर्राष्ट्रीय श्रोताओं तक पहुंचने के रास्ते बनाते हैं।